जन संचार एवं मीडिया प्रकोष्ठ
उ0प्र0 वॉटर सैक्टर रीस्ट्रक्चरिंग परियोजना, पैक्ट
वाल्मी भवन, सिंचाई विभाग,
उत्तर प्रदेश

विश्व बैंक टीम लीडर जून मस्टमोटो ने बाढ़ नियंत्रण, जल संसाधन, उच्च तकनीक संवर्धन हेतु सिंचाई मंत्री को जापान भ्रमण हेतु किया आमंत्रित

यू0पी0डब्ल्यू0एस0आर0पी0 के कार्यों की सराहना करते हुए मंत्री परिषद से सेक्टिस चार्जेस की स्वीकृति हेतु प्रस्ताव रखने का किया अनुरोध

उ0प्र0 के सिंचाई विभाग की पारदर्शी ई-टेंडिंग प्रणाली प्रशंसनीय व अनुकरणीय है

टीम लीटर, विश्व बैंक

लखनऊ : दिनांक- 31 अक्टूबर, 2017

विश्व बैंक के टीम लीडर, जून मस्टमोटो ने आज पूर्वान्ह 11 बजे उ0प्र0 के सिंचाई मंत्री के विधान भवन स्थित कार्यालय में सिंचाई मंत्री श्री धर्मपाल सिंह जी से शि टाचार भेंट कर उन्हें बाढ़ नियंत्रण एवं जल संचयन, जल संसाधन की नवीनतम तकनीक उपलब्धियों से रूबरू कराने हेतु उन्हें जापान यात्रा हेतु आमंत्रित किया। जून मस्टमोटो ने सिंचाई मंत्री से अनुरोध किया की यद्यपि

उ0प्र0 की सिंचाई व्यवस्था विश्व की प्राचीनतम सिंचाई प्रणालियों में है, फिरभी जापान आदि देशों में विकसित हो रही उन्नत जल तकनीक बाढ़ नियंत्रण की आधुनिक पद्धति व जल संसाधन के नवीनतम कार्यों पद्धति उ0प्र0 के सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग को बाढ़ नियंत्रण तकनीक व जल संवर्धन आदि क्षेत्रों में उपयोगी सिद्ध हो सकती है। इसके लिए विश्व बैंक की तरफ से प्रस्तावित भ्रमण में उन्होंने प्रदेश के सिंचाई मंत्री सहित सिंचाई विभाग वरि ठ अधिकारियों/ अभियन्ताओं की टीम को जापान भेजने का अनुरोध भी किया।

विश्व बैंक टीम लीडर ने उ0प्र0 में चल रही उ0प्र0 वॉटर रीस्ट्रचरिंग परियोजना के विभिन्न कार्यक्रमों की सराहना करते हुए सिंचाई मंत्री से आग्रह किया कि वे परियोजना के कार्यों हेतु सेन्टिस चार्जेस की स्वीकृति हेतु मंत्री परि ाद में प्रस्ताव रख कर इसे अनुमोदित कराए जिससे की परियोजना के कार्यों में तकनीकी व्यवधान उत्पन्न न हो।

विश्व बैंक की टीम ने उ0प्र0 में सिंचाई विभाग द्वारा चलाए जा रहे सिल्ट सफाई अभियान की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे उ0प्र0 दुनिया के उन प्रमुख देशों में ाामिल हो गया है जहां ड्रोन से नहर सफाई का कार्य किया जा रहा है।

सिंचाई मंत्री धर्मपाल सिंह ने विश्व बैंक टीम के सदस्यों द्वारा प्रस्तुत निरीक्षण आख्या के संदर्भ में टीम लीडर को आस्वस्थ किया कि वे उ0प्र0 सरकार की तरफ से हर संभव सहयोग प्रदान करायेंगे।

आपने कहा कि विश्व बैंक के सहयोग का समादर करते है तथा सिंचाई विभाग के अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हैं कि वे परियोजना कार्यों को गुणवत्ता व समयबद्धता से पूर्ण करें। सिंचाई मंत्री ने कहा कि परियोजना क्षेत्र में जो जल उपभोक्ता समितियों को सक्रिय कर किसान सिंचाई विद्यालयों का संचालन किया गया है, वह अपने आप में रा ट्रीय स्तर का कीर्तिमान है। सिंचाई मंत्री ने कहा कि विभाग में स्वच्छ और पारदर्शी प्रशासन हो इसके लिए उन्होंने लम्बित जांचों को समयसीमा के अन्तर्गत समाप्त करने की सख्त निर्देश दिए हैं। आपने कहा कि समय सीमा के अन्तर्गत जांच समाप्त न करने वाले जांच अधिकारियों के खिलाफ भी कनूनी कार्यवाही की जायेगी।

इस अवसर पर सिंचाई विभाग के प्रमुख सचिव श्री सुरेश चन्द्रा, सचिव सिंचाई एवं अध्यक्ष, पैक्ट श्री ाम्भू नाथ, प्रमुख अभियन्ता/ विभागाध्यक्ष श्री भूपेन्द्र ार्मा सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

सम्पर्क सूत्रः मीडिया विशेषज्ञ, पैक्ट मो0–9412205971
email-isbr27@gmail.com *फैक्स 0522–2237664*